वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा तथा साहित्य

संपादक मंडल

कृष्ण कुमार 'कनक'

डॉ. सपना दत्ता 'सुहासिनी'

चंचल माहौर

रविंद्र चौधरी

जगबीर सिंह 'दूहन'

आशीष शर्मा

किशोर कुमार शर्मा

हरिओम

शुभकामना संदेश

प्रिय अनुज !

कृष्ण कुमार 'कनक'

राष्ट्रीय महासचिव, हिंदी शोधार्थी संघ, भारत

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आपके द्वारा संस्थापित शोधार्थी संगठन "हिंदी शोधार्थी संघ, भारत" विगत वर्ष 2022 से पूरे देश के हिंदी विषय तथा अन्य विषयों के हिंदी प्रेमी शोधार्थियों को एक पटल पर लाकर हिंदी भाषा तथा साहित्य के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार हेतु तल्लीनता से संलग्न है। इस क्रम में अपने शोध के क्षेत्र में संदर्भ प्रस्तुतिकरण की प्रथम पूर्णतः भारतीय पद्धति "HSS format" (संदर्भ प्रस्तुतिकरण का हिंदी शोधार्थी संघ प्रारूप) को प्रस्तुत कर देवनागरी लिपि के महत्व को वैश्विक पटल पर स्थित करने का एक महत्वपूर्ण कार्य तो किया ही है साथ ही इस प्रारूप के माध्यम से भारतीय मूल्यों व आदर्शों को संरक्षित रखने का महनीय प्रयास भी किया है। निःसंदेह यह कार्य आपको हिंदी शोध जगत में सदैव स्मरणीय बनाए रखेगा।

हिंदी शोधार्थी संघ, भारत द्वारा आपके नेतृत्व में कराई जाने वाली राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्राप्त होने वाले शोधालेखों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित कराने का महत्वपूर्ण कार्य भी सराहनीय है। यह बात और भी प्रशंसनीय है कि इस पुस्तक के प्रकाशन का संपूर्ण व्यय आपके संपादक मंडल द्वारा वहन किया जाता है तथा पुस्तक सभी लेखकों को निःशुल्क प्रदान की जाती है। इन पुस्तकों के प्रकाशन क्रम में हिंदी शोधार्थी संघ, भारत द्वारा बेंगलुरू विश्वविद्यालय बेंगलुरू के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वेंकटेश गिरी गोंडा सेमिनार हॉल, ज्ञानभारती कैंपस, बेंगलुरू विश्वविद्यालय, बेंगलुरू में 3–4 नवंबर, 2025 को "विश्व

तथा भारत के विभिन्न प्रांतों में हिंदी भाषा तथा उसका साहित्यः एक वैश्विक विमर्श'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए देश–विदेश के अनेक हिंदी आचार्यों तथा शोधार्थियों द्वारा प्रेषित शोधालेखों को 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा तथा साहित्य' नामक अपनी चतुर्थ पुस्तक के रूप प्रकाशित किया जा रहा है।

अतः मैं इस पुस्तक के प्रकाशन पर आपको तथा आपके संपादक मंडल के सभी शोधार्थी साथियों को हृदय की अनंत गहराइयों से शुभकामनाएँ प्रेषित कर रहा हूँ तथा हिंदी शोधार्थी संघ, भारत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। शुभेच्छु!

– पवन कुमार (आई.ए.एस.)
निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार,
कर्तव्य भवन 3, केंद्रीय सचिवालय
नई दिल्ली–110001